आविष्कार ग्रुप
प्रभाव रिपोर्ट 2020

विषयसूची

जोखिम पूँजी: प्रभाव के लिए परिवर्तनकारी: 1
एक प्रस्तावना

विकास प्रतिमान में बदलाव 3
स्वाति राय

निर्भयो का सशक्तिकरण 5
अरुणा और उर्मिला की कहानी

ज़िंदगियाँ बचाने की लड़ाई 7
मुज़लेमा की कहानी

समुदाय में आजीविका का निर्माण 9
थनुषा की कहानी

नकदी प्रवाह वित्त से सफलता 11
अर्पिता की कहानी

घरेलू उद्यमी बनना 13
प्रभासिनी की कहानी

कृषि सम्बन्धी आजीविकाओं के लिए सामुदायिक नेतृत्व 15
शिवांगी की कहानी

आत्मसम्मान में निवेश 17
शिम्पी की कहानी

समावेश के समर्थक 19
पूर्णिमा की कहानी

समानता का प्रोत्साहन 21
सुषमा की कहानी

अफ़्रीका में उद्यमिता का प्रोत्साहन 23
कर्णिका की कहानी

रूबिद्ध सोच को मिटाना 25
किरण की कहानी

उद्देश्यपूर्ण मूलधन का प्रदान 27
चैताली की कहानी

सत्यनिष्ठा के साथ प्रभाव 29
आंकड़ों से व्यक्त हमारा प्रभाव

हमारे प्रभाव परितंत्र का निर्माण 31
आविष्कार का वृक्ष

अंतःकरण से वार्तालाप 33
हमारे लिए मुखपत्र

प्रभाव – एक नयी मुख्यधारा 35
भविष्य के लिए आविष्कार ग्रुप का लक्ष्य

जोखिम पूँजी

प्रभाव के लिए परिवर्तनकारी

बाज़ारों और उद्योगों के मिलन व तकनीकी प्रगति के साथ 20वी सदी दुनियाभर में लोगों के लिए आय और आजीविका की बढ़ौतरी लेकर आयी। विश्व स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP) उन्नीस गुना बढ़ा और दुनिया की आबादी चौगुनी होकर 1.6 अरब से बढ़कर 6.3 अरब हो गयी – जिससे यह सदी मानवता के धन सृजन के दृष्टिकोण से इतिहास की सबसे आश्चर्यजनक सदी बनी। हालाँकि इस प्रगति के कई दुष्परिणाम भी सामने आए – धन का असमान वितरण और सामाजिक, आर्थिक और प्राकृतिक पतन। जिनि गुणांक द्वारा मापी जाने वाली वैश्विक आय असमानता, 20वी सदी के आख़िरी दशक में ही 0.59 से बकर 0.73 हो गयी। उसी दौरान वायुमंडल में कार्बन डाइऑकसाइड का स्तर 325 भाग प्रति मिलियन से बकर 415 भाग प्रति मिलियन हो गया जो आज भी बढ़ता जा रहा है।

भारत विश्व को धन सृजन की प्रक्रिया में प्रगति करते हुए बस देखता रह गया। 1990 के भुगतान शेष के संकटावस्था के समय तक भारत एक के बाद एक चुनौतियों से जूझता रहा और इसी कारण 1991 में आर्थिक सुधार कानून फ़ौरन लाने ही पड़े जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था में बदलाव और उद्योग में बढ़ौतरी आयी। इस नए दौर के तुरंत ही बाद सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति का आगमन हुआ, शक्तिशाली प्राइवेट सेक्टर का प्रवेश हुआ, छोटे और मध्यम वर्ग के उद्यमों की बढ़ौतरी हुई और विकास क्षेत्र में सरकार द्वारा ज़्यादा निवेश होने लगा। असमानता की जड़ें और भी मज़बूत होने लगीं जब ज़्यादातर प्रगति शहरी इलाकों में होने लगी और ग्रामीण क्षेत्र अवसर प्राप्ति और मौलिक ज़रूरतों की अपूर्णता जैसे स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, रोज़गार, पानी, स्वच्छता और बिजली की कमी जैसी मुश्किलों से जूझने लगा। इन असमानताओं का इससे बकर उदाहरण नहीं हो सकता कि आकड़ों के अनुसार 84.4 प्रतिशत ग्रामीण घरों में शौचालय की सुविधा नहीं थी पर शहरों में ये आंकड़े 23 प्रतिशत थे। शहरी और ग्रामीण विकास के बीच पहुंच और सामर्थ्य की बढ़ती खाई पर अंकुश लगाकर संतुलन लाना अनिवार्य होता जा रहा था।

इस चुनौती को एक नए दृष्टिकोण की आवश्यकता थी, एक नयी सोच जो उन्ही पुरानी समस्याओं – भूख, गरीबी और असमानता का समाधान ढूंढ सके। आविष्कार वैसा ही एक समाधान बनकर सामने आया जो मूलधन के वितरण में मानवीयता लेकर आया जिससे युवा भारत की उद्यमी ऊर्जा उसके जटिल सामाजिक समस्याओं पर केंद्रित हो गयी। आविष्कार युवा उद्योगियों और उपेक्षित, अपवर्जित और ज़रूरतमंद लोगों के बीच एक साझेदारी बनाना चाहता था जहां आविष्कार परितंत्र के निर्माता और जोखिम पूँजी के दाता की भूमिका निभाना चाहता था।

2001 में एक नयी सदी के आगमन पर
आविष्कार ग्रुप का संस्थापन इन्ही धारणाओं को संस्थागत आकार देने के लिए हुआ।

2001 में हमने
विकास प्रतिमान को निर्भीकता से चुनौती दी

करीब दो दशक पूर्व, मेरे पति और व्यावसायिक साझेदार, विनीत राय मेरे पास उद्यमिता की शक्ति के दोहन से भारत के पिछड़े और ज़रूरतमंद लोगों की आवश्यकताओं की पूर्ति का स्वप्न लेकर आए। जब हम पूर्व भारत में स्थित राज्य ओडिशा में वनपालों की क्षमता में रहते थे, हमने अपनी आँखों से बड़े पैमाने पर दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका का अभाव और गंभीर भेद्यता देखी थी। 1998 में विनीत को भारत का शायद सबसे पहला इनक्यूबेटर GIAN[1] अहमदाबाद में स्थापित करने के लिए नियुक्त किया गया। इसी कार्य के दौरान हमने प्रभावशाली उद्यमिता को उत्प्रेरित करने में जोखिम पूँजी के महत्व को समझा।

जोखिम पूँजी को प्रभाव उद्यमियों तक पहुँचाने की महत्वकांशा और उनके मार्ग से कठिनाइयों को हटाने की खोज ने हमें भारत के प्रभाव निवेश की कहानी का अग्रदूत बना दिया – उस समय पर जब 'प्रभाव निवेश' वाक्यांश गढ़ा भी नहीं गया था।

हम निस्संकोच इस राह पर चलते गए, इस बावजूद की इस राह पर कड़ी मेहनत करनी पड़ी। हमें प्रारंभिक 10 लाख डॉलर जमा करने में 6 साल लग गए। हमने प्रथम-पीढ़ी उद्यमियों में निवेश किया, जो स्थानीय स्तर पर आजीविका का उत्पादन कर रहे थे, जहां वह रहते थे या जहां वे जोखिम और भेद्यता, लोगों के जीवन से अपने काम द्वारा मिटा रहे थे। पूँजी प्रदाता की भूमिका निभाते हुए अपने प्रभाव को हम उद्यमियों के प्रभाव उत्पादन की क्षमता से अलग भांपते थे। उद्यमियों की सहायता करते हुए और उद्यमी परितंत्र को बेहतर बनाने के लिए हम उत्प्रेरक थे जो दूसरे साझेदारों को इस यात्रा पर अपने साथ चलने को प्रेरित करते थे जबकि हमारे उद्यमी कम आय वाली आबादी को सीधे-सीधे प्रभावित करते थे।

2012 में हमने डिजिटल माइक्रोफाइनेंस और तकनीकी-मार्गदर्शित, नकदी प्रवाह-आधारित वित्त व्यवस्था का प्रबंधन किया। प्रभाव निवेशक बनने से शुरू हुई हमारी कोशिश अब पूर्ण रूप से प्रभाव सेवा मंच में तब्दील हो गयी थी। इसके चलते 2017 में आविष्कार ग्रुप का संस्थापन हुआ। हमारी पहुँच अब भारत, दक्षिण एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया और पूर्वी अफ्रीका तक थी।

विनीत और मेरी साझेदारी पर ही हमारी बढ़ोतरी और हमारी महत्वकांक्षाएँ टिकी हुई हैं। शुरुआती दिनों में मैंने ही विनीत के सपनों की उड़ान में निवेश किया था। मैंने चुपचाप उनकी गैरहाज़िरी को सहा और एक युवा परिवार के साथ विनीत के उद्यमी महत्वकांशाओं का सामना कराने का जोखिम ले लिया। हमारी कामयाबी का राज़ हमारी यही साझेदारी है और हमारे द्वारा सशक्त किये हुए प्रभाव के हर एक पहलू में इसी दृष्टिकोण और साझेदारी ने हमारा साथ दिया है।

मेरा मानना है कि लैंगिक समानता का प्रोत्साहन आविष्कार ग्रुप के उद्देश्य "हमारा अस्तित्व 3 अरब लोगों के बीच के अवसर प्राप्ति के फ़र्क़ को मिटाने के लिए है" की पूर्ति हेतु बहुत ही महत्वपूर्ण है। 2020 का हमारा प्रभाव प्रतिवेदन एशिया और अफ्रीका की उन नायिकाओं को समर्पित है जिनमें से साढ़े पांच करोड़ महिलाएं आविष्कार ग्रुप के प्रभाव यात्रा का हिस्सा रह चुकीं हैं। मैं बड़े हर्ष और गर्व के साथ यह कह सकती हूँ कि हमारा सामूहिक प्रतिवेदन पत्र 12 ऐसी निर्भीक और सहनशील महिलाओं पर प्रकाश डालता है जिन्होंने जोखिम उठाकर अपने आस पास प्रभाव का उत्पादन किया है।

– स्वाति राय

> "विनीत और मैं यह कार्य करने को अनुग्रहित थे। हमारा सख्त मानना था कि उद्यमकर्ता बदलाव का परचम लहरा सकते हैं, लाभ और उद्देश्य एक साथ पनप सकते हैं और आज भी हमारा यही मानना है। हम उद्यमी ऊर्जा को बढ़ावा देकर, उसका सदुपयोग कर, मानवता की सबसे बड़ी कठिनाइयों को दूर करना चाहते थे। बीस साल बाद, हमारे निर्भीक लक्ष्य को इम्पैक्ट इन्वेस्टिंगफ, यानि 'प्रभाव निवेश' के नाम से जाना जाता है। इन वर्षों में बटोरी हुई प्रभाव सीखों को हम उन शक्तिशाली महिलाओं के दृष्टिकोण से आपको दर्शाना चाहते हैं जिन्होंने इस प्रभाव का सृजन किया है।"

जब कचरा प्राकृतिक और स्वास्थ्य जोखिम बनता है...

“ हम अपने देश की सफाई कर रहे हैं और साथ ही कचरे को धन में बदल रहे हैं। अब हमारा काम हमें सम्मान दिलाता है और स्वच्छता कर्मियों के विरुद्ध होते सामाजिक पक्षपात से हमारी रक्षा करता। ”

...हम निर्भीक अग्रपंक्ति बनते हैं
हम अपशिष्ट आपूर्ति श्रृंखला बनते हैं

हम हैं अरुणा और उर्मिला

मेरी सहेली उर्मिला और मैं एक ऐसे समुदाय से हैं जिनका काम पीढ़ियों से कूड़ा उठाने का है। बचपन में सुबह सरकारी विद्यालय जाने से पहले हम अपने परिवारों की मदद कचरा छाँट कर करते थे। हमारी शादी कम उम्र में ही कर दी गयी जिसके बाद हम दोनों गुजरात के शहर अहमदाबाद चले गए। यहां हम समाज से सम्मान पाने की उम्मीद में एक कारखाने में काम करने लगे। दुर्भाग्यवश, यह ज़्यादा दिन चल नहीं सका और एक बार फिर से हम कचरा उठाने लगे।

जैसे हमसे पहले हमारे माता-पिता ने और उनके पहले उनके माता-पिता ने किया, हम भी सुबह 4 बजे उठकर कचरा समेटने लगे- कभी रास्ते पर से, कभी कूड़ेदान में से, और कभी-कभी लोगों के घरों से भी। हमारे द्वारा समेटा कचरा हम कबाड़ीवालों या रद्दीवालों को बेचते थे। यह कूड़ा बीनने वालों को ठगने के लिए प्रसिद्ध होते हैं- हमें बहुत ही कम दाम दिए जाते, शायद ही कभी सही समय पर पैसे मिलते और कई बार छेड़छाड़ किये हुए तराजू से हमारा समेटा कचरा तौला जाता जिससे हमें और भी कम कीमत मिलती थी। हमारे श्रम का सही दाम मिलने के लिए हमारे पिछड़े समुदाय को ना ही कभी कोई अधिकार मिले और ना ही कोई संसाधन।

आज से पांच साल पहले हमने नेप्रा नामक कंपनी के बारे में सुना जो कूड़ा बीनने वालों को निरंतर सही और स्पष्ट दाम प्रदान करती हैं। तब से लेकर आज तक हम उन्हीं को अपना कूड़ा बेचते आ रहें हैं। कबाड़ीवालें और उन जैसे दूसरे लोगों के साथ सही दाम के लिए तोल-मोल ना करना हमारे लिए बड़ी राहत की बात है। हमारी कमाई पहले की तुलना में 20-25 प्रतिशत बढ़ी है। अब हमारे पास एक सम्मानीय जीविका हैं जिसकी वजह से हम ना केवल अपने घर के खर्च निकाल सकते हैं बल्कि अपने बच्चों को पढ़ा भी सकते हैं। हम अब सशक्त महसूस करते हैं।

हमें मालूम पड़ा है कि नेप्रा देश के कई हिस्सों में अपना काम आगे बढ़ा रहा है। हम इस बात से अत्यंत प्रसन्न हैं क्यों की हम जानते हैं कि ऐसा करने से हमारे अप्रसंशित किन्तु महत्वपूर्ण समुदाय के प्रति भेदभाव की कलंकित भावना का अंत निश्चित है।

85,987 मेट्रिक टन
कचरे का प्रबंधन किया

1,542,739 मेट्रिक टन
कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन घटाया

1,913 (39% महिलाएं)
उन्नत जीविका से समर्थित स्वच्छता कर्मी

1,149,815
लोगों को सौर चूल्हा प्राप्त कराया गया

चक्रिलता एवं जलवायु परिवर्तन क्षेत्र में आविष्कार ग्रुप द्वारा समर्थित कम्पनियाँ एवं उपक्रम:

जब अपर्याप्त मातृ देखभाल और शिशु मृत्यु मातृत्व को खतरे में डालते हैं...

“ मेरा वजूद सिर्फ नयी माताओं और गर्भवती महिलाओं की सही देखभाल को सुनिश्चित करने के लिए है। ”

...मैं पालन–पोषण करती हूँ
मैं जीवन–रक्षक प्रसव देखभाल हूँ

मैं हूँ मुज़लेमा

जब मैं पहली बार गर्भवती हुई, तब मुझे उत्तम स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धि बहुत ही कठिन मालूम हुई, इसके बावजूद की मैं एक सफेदपोश नौकरी करती थी, वो भी एक शहरी इलाके में। हर महीने प्रसवपूर्वी जांच के लिए और प्रसव के समय मुझे खुद ही जीवाणुरहित दस्ताने, सर्जिकल ब्लेड, कीटाणुनाशक जैसी चीज़ों को खरीदना पड़ता था क्योंकि मेरे स्थानीय स्वास्थ्य सेवा केंद्र में इन चीज़ों की कमी थी। आखरी महीनों में भी मुझे इन सब चीज़ों का प्रबंध करने के लिए दवाखाने तक कई बार जाना पड़ा। जैसे–जैसे खर्च बढ़ते गए, मैं एक ट्रेडिशनल बर्थ अस्सिटेंट (TBA) यानि एक दाई माँ की खोज करने लगी। अंततः मैंने दाई माँ को नियुक्त नहीं किया क्योंकि ऐसा करना मेरे और मेरे अजात शिशु के लिए हानिकारक होता क्योंकि दाई माँओं को ठीक से प्रशिक्षित नहीं किया जाता।

प्रसव के बाद, दुसरे बच्चे के लिए फिर से इस प्रक्रिया को दोहराने की मुझमें हिम्मत नहीं थी। मैं सोचने लगी कि हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था इतनी क्यों बिगड़ी हुई है। कुछ खोज करने के बाद मुझे पता चला कि ज़ाम्बिया की 64 प्रतिशत गर्भवती महिलाओं के पास उन्हीं कठिनाइयों की वजह से उपयुक्त देखरेख नहीं है जिन कठिनाईयों का मुझे सामना करना पड़ा। इस हृदय विदारक अनुभूति ने मुझे 2017 में सुरक्षित मातृत्व संगठन का संस्थापन करने पर मजबूर किया। यह संगठन किफायती, एक ही बार इस्तेमाल लायक प्रसव साज–सामान बनाती है, जिसमे सुरक्षित प्रसव में काम आने वाली तमाम वस्तुएं मौजूद हैं। यह साज–सामान विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा सुरक्षित प्रसव के लिए निश्चित किये गए हैं। उद्योग की दुनिया में नया प्रवेश करते हुए, मूलधन की ज़रुरत में, इंटेलीकैप मेरे काम आयी। इन्होनें मुझे एक अच्छी विपणन योजना और वित्तीय मॉडल बनाने में मदद की। उन्होनें मुझे दूसरे निवेशकों के साथ भी जोड़ा।

आजतक मेरे संस्थान ने, संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय बाल आपात निधि और यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट की मदद से 10,000 प्रसव साज–सामान गर्भवती महिलाओं तक पहुंचाए हैं। दाई माँओं के महत्व को समझते हुए और सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील रहने के लिए मैंने ज़ाम्बिया की 50 से ज़्यादा दाई माँओं को इस साज–सामान के इस्तेमाल में प्रशिक्षित किया है। मुझे अपनी इस स्थानीय सृजित और उपयुक्त उपाय का निर्माण करने पर गर्व है। मैं अपने जीवन का हर एक दिन सुरक्षित मातृत्व की वकालत करते हुए बिताने के लिए सुदृढ़ हूँ।

2,129,133
लोगों को किफायती स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त कराई गईं।

1,197,536
महिलाओं को किफायती स्वास्थ्य सेवाएं दिलाई गईं।

आविष्कार ग्रुप द्वारा समर्थित स्वास्थ्यसेवा क्षेत्र के अंतर्गत उद्योग और उपक्रम:

जब विवाद रोज़गार ध्वस्त करते है...

“ मैंने गृहयुद्ध को जीवन और रोज़गार ध्वस्त करते देखा है. आज, अपने परिवार और समुदाय को दोबारा खड़ा कर पाने में अपने योगदान से मैं गौरवान्वित हूँ। ”

...मैं विपत्तियों पर विजय पाती हूँ
मैं एक उद्यमी हूँ

मैं हूँ तनुषा

मैं 1985 में जाफना में उस दौर में पैदा हुई जब श्रीलंका का गृहयुद्ध अपने चरम पर था। चारों ओर से मृत्यु और विनाश से घिरे एक परिवार के सुरक्षित भविष्य की कल्पना करना मेरे लिए कठिन थी। इन विषम परिस्थितयों में भी मैंने अपनी बुनियादी शिक्षा पूरी की जिसके फलस्वरूप मुझे प्राग्विद्यालय (प्री-स्कूल) अध्यापक की नौकरी मिली। एक ऐसा रोज़गार होना जिसके माध्यम से मैं अपने परिवार को आर्थिक समर्थन दे रही थी मेरे लिए प्रसन्नता का विषय तो था परन्तु, मेरे आस-पास अब भी काफी लोग विपत्ति ग्रसित थे। गृहयुद्ध ने स्थानीय अर्थव्यवस्था को झकझोर कर रख दिए था जिसकी बदौलत सारी औद्योगिक गतिविधियाँ ठप पड़ी हुई थी। नतीजा- रोज़गार और जीविका के अपर्याप्त अवसर। मेरे अंदर अपने समुदाय के विकास के लिए कुछ करने की प्रबल इच्छा प्रकट हुई।

संकट के घने बदलो में धूमिल होते अवसरों के बिच “मास फूड्स” नामक आशा की किरण प्रकट हुई। मास फूड्स एक दूध प्रसंस्करण कंपनी थी जिसने अपना व्यापर बढ़ाने के लिए हमारे अविकसित क्षेत्र में कदम रखा। एक नया अवसर देख मैंने एक फैक्ट्री मजदूर के तौर पर 2017 में इस कंपनी में नौकरी ली। फैक्ट्री में दूध की आपूर्ति का एक छोटा हिस्सा मैंने मेरे परिवार के पालतू मवेशियों के दूध से किया। फैक्ट्री में कुछ समय बिताने के बाद मुझे एहसास हुआ की इस समुदाय की दूध आपूर्ति श्रृंखला को संगठित कर के समुदाय के लोगों के लिए नए रोज़गार एवं आय के स्रोत पैदा किए जा सकते हैं। और इसी तरह मैंने नौकरी छोड़ अपना उद्यमी सफर शुरू करने का साहसिक निर्णय लिया।

शुरुआती दौर में मैंने 5 किसानों के एक छोटे सहकारी समूह के माध्यम से प्रतिदिन 50 लीटर दूध की आपूर्ति की। वर्तमान में मैंने अपने इस व्यापार को बढ़ा एक दूध संकलन केंद्र की स्थापना की है जहा से प्रतिदिन 25 किसानों द्वारा 150 लीटर दूध की आपूर्ति मास फूड्स को की जा रही है। ये सफर मेरे लिए एकदम नया ज़रूर है मगर मैं आश्वस्त हूँ की इस व्यापर को बढ़ा कर मैं अपने समुदाय के लोगों की सेवा कर पाऊँगी।

6,221,486
जीविका, माल एवं सेवाओं से समर्थित किसान

1,685,047
जीविका, माल एवं सेवाओं से समर्थित महिला किसान

आविष्कार ग्रुप द्वारा कृषि क्षेत्र में समर्थित कम्पनियाँ एव उपक्रम

जब साहूकारी परभक्षी बन जाती है...

“ मुझे यकीन है कि हमारी मेहनत देखकर हमारे बच्चे अगली पीढ़ी के उद्योगपति बनने के लिए प्रेरित होंगे। ”

...मैं सुरक्षा और विश्वसनीयता हूँ
मैं परिसम्पत्ति हूँ

मैं हूँ अर्पिता

मैं किशोरावस्था में भी बस अपने खुद के व्यवसाय होने के सपने देखती थी। इसी के चलते, 2001 में जब मेरे पति, ससुरजी और मैं मिलकर अपना व्यवसाय शुरू करने जा रहे थे, ऐसा लगा मानो मेरे सारे सपने सच हो गए। अपनी धार्मिक मान्यताओं से प्रेरित होकर हमने पुणे, महाराष्ट्र में अपने घर से ही पूजा के लिए कपूर बनाने का काम शुरू किया। शुरुआती दिनों में कपूर बनाने से लेकर बेचने तक का सारा काम हम खुद करते थे। मेरे ससुरजी घर-घर जाकर हमारा बनाया हुआ सामान बेचते थे। 2009 तक हमने 5 भिन्न ब्रांड्स की संस्थापना कर ली थी और महाराष्ट्र में कई वितरणकर्ताओं से जुड़ चुके थे। जैसे-जैसे हमारा व्यवसाय बढ़ता गया, हमें वित्तीय साधनों की सख़्त ज़रूरत पड़ने लगी जिसके इस्तेमाल से हम वह यंत्र खरीद सकते थे जो हमारी उत्पादन प्रक्रिया को और भी तेज़ बना सकती ताकि हम अपने उत्पादों के लिए बढ़ती मांग को पूरा कर पाते।

बैंक से उधार लेने में हम बहुत संकोच कर रहे थे। हमने अपने मन में यह बात घर करवा ली थी कि उधार लेने की प्रक्रिया बहुत ही कठिन और लम्बी होती है और हमें बहुत ही ज़्यादा कागज़ी कार्य और संपार्श्विक की ज़रूरत पड़ेगी। लेकिन जितना गहरा हमारा डर था, उससे कई ज़्यादा हमारी ज़रूरतें थीं जिनकी वजह से हम अश्व फाइनेंस के दर पर आ पहुंचे। यहां हमें तुरंत ही एक सावधि ऋण मिल गया। अश्व की टीम बहुत ही पेशेवर थी और प्रक्रिया के हर चरण के बारे में हमें अवगत कराती थी। उनकी आसान प्रक्रिया ने हमारे मन से लम्बे समय तक चलने वाली उधार प्रक्रिया का डर मिटा दिया।

इस उधार के मिलने की वजह से हमने अपने सारे स्थगित ऑर्डर पूरे किये और हमारी आमदनी लगभग 30 प्रतिशत तक बढ़ गयी। हम और भी आगे बढ़ने की आशा रखते हैं और अपने व्यवसाय में सबसे बेहतर बनना चाहते हैं।

हमारे बच्चों पर हमारी मेहनत और दृढ़ता का बहुत ही अच्छा प्रभाव पड़ा है। उन्होनें सब कुछ देखा है - अपने उत्पादनों को बेचने के लिए हमारी मेहनत, उत्पादनों की उत्तमता बनाए रखने का हमारा प्रयास और वित्त व्यवस्था को संभालने का हमारा तरीका। मेरा मानना है कि हमारी यह मेहनत हमारे बच्चों को अगली पीढ़ी के उद्योगपति बनने की प्रेरणा देगी।

11,524
सूक्ष्म, लघु और मध्यम वर्गीय व्यापारों को वित्त व्यवस्था में सहयोग दिया

52,086
सूक्ष्म, लघु और मध्यम वर्गीय व्यापारियों को उत्पादनों और सेवाओं से सहयोग दिया

आविष्कार ग्रुप की कम्पनियाँ जो सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को आर्थिक समर्थन प्रदान कर रहीं हैं -

आविष्कार ग्रुप द्वारा समर्थित सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को उत्पादन और सेवाओं से सहयोग देने वाली कम्पनियाँ -

जब वित्त अभिलाषाओं पर अंकुश लगाए...

“ अपनी खुद की दुकान होने और पैसे कमाने की सबसे अच्छी बात यह है कि मैं सही मायनों में आत्मनिर्भर हूँ। ”

...मैं दृढ़ विश्वाश हूँ
मैं बराबर हूँ

मैं हूँ प्रभासिनी

मैं कुछ वर्ष पूर्व गंजाम ज़िले, ओडिशा में रहने वाली सिर्फ एक गृहणी थी। हर वक़्त मुझे एक ही चिंता लगी रहती थी कि मेरे पति की विक्रेता की नौकरी से मिलती थोड़ी सी आय से हम अपनी बेटियों की पढ़ाई कैसे करवाएंगे। मैंने कुछ महिलाओं के बारे में सुना था जो अपने घर से ही किराने के सामान और अन्य वस्तुओं की बिक्री करती थीं। लेकिन खुद का व्यवसाय शुरू करने के सोच से भी मुझे डर लगता था। मैं अपने परिवार की आर्थिक रूप से सहायता तो करना चाहती थी पर मैं अपने बच्चों से दूर नहीं जाना चाहती थी, ना ही मेरे पास ऐसा कुछ करने के लिए पैसे थे।

इस सोच के बीच मैंने आरोहण के सूक्ष्म ऋण के बारे में एक रिश्तेदार से सुना। मेरे मन में बहुत सारी आशंकाएं थीं लेकिन मुझे आरोहण के पारदर्शी और ग्राहक हितैषी प्रक्रियाओं के बारे में भरोसा दिलाया गया। मेर मन में अब भी प्रश्न ये था की कैसे मुझ जैसी बिन पूंजी और धन संपत्ति वाली एक साधारण गृहिणी को उधार मिल सकता है? उससे अधिक महत्वपूर्ण यह सवाल था कि मैं जो दुकान खोलना चाहती थी वह अस्तित्व में आ भी पाएगी या नहीं? फिर भी, मैं कुछ दिन बाद आरोहण के संपर्क में आयी।

एक हफ्ते बाद, मेरे आवेदन को स्वीकृति मिली और मुझे 20,000 रूपए (260 अमेरिकी डॉलर) की ऋण राशि मिल गयी। ख़ुशी और आत्मविश्वास की एक नयी लहर के साथ मैंने छोटी सी दुकान में रोज़मर्रा की ज़रूरतों को पूरा करने वाली वस्तुएं जैसे साबुन, बिस्कुट, चावल, आदि रखे। जल्द ही, मुझे रोज़ का 300–400 रूपए का मुनाफ़ा होना लगा। इस सफलता से प्रेरित होकर मैंने घर मे बने सब्ज़ियों के चिप्स का उत्पादन और विक्रय शुरू किया।

आज, अपने परिवार की ज़रूरतों को पूरा करने की अपनी क्षमता पर मुझे गर्व है। हाल ही मैंने अपने बच्चों का ट्यूशन क्लास में दाखिला करवाया जिसकी सुविधा आज भी मेरे इलाके के कई लोगों की पहुंच से परे है। मुझे विश्वास है कि भविष्य में मैं अपनी बेटियों की कॉलेज की पढ़ाई भी करवा सकूंगी। मैंने स्वयं अपने परिवार और अड़ोस–पड़ोस की महिलाओं को आत्मनिर्भरता एवं परिवार में समान रूप से आर्थिक योगदान देने की उपयोगिता समझाने का बीड़ा उठाया है।

12,536,227
लोगों को किफायती वित्तीय सेवाएं प्रदान की

12,379,052
महिलाओं को किफायती वित्तीय सेवाएं प्रदान की

आविष्कार ग्रुप द्वारा समर्थित वित्त क्षेत्र की कंपनियां कम्पनियाँ –

जब बाज़ार के हालात अनुचित हो, और अवसर अल्प...

> “मुझे अपने पिता और अनेक किसानों का समर्थन कर उनकी पैदावार और आय बढ़ाने पर गर्व है।”

...मैं बाज़ार का मार्ग बनाती हूँ
मैं ज्ञान का मार्ग बनाती हूँ

मैं हूँ शिवांगी

मैं गुजरात के एक छोटे शहर जेतपुर के एक मध्यम–वर्गीय परिवार से आती हूँ जहा मेरे पिता खेती करते हैं। अपने माता–पिता को बारहों महीने परिश्रम करता देख मुझमे और परिश्रम करने की ललक उजागर हुई। अपने माता–पिता के प्रोत्साहन और समर्थन से मैंने उस परिवेश में कृषि में स्नातकोत्तर उपाधि अर्जित की जहा लैंगिक असमानता की वजह से लड़कियों को पढ़ाया नहीं जाता। अपने माता–पिता का सीना गर्व से ऊँचा करना मेरा लक्ष्य था।

स्नातकोत्तर पूरा होने के बाद मुझे कृषि से जुडी नौकरी ढूंढ़ने में दिक्कत हो रही थी। इसी संघर्ष ने मुझे ऐग्रोस्टार नामक कंपनी का मार्ग दिखाया। यह कंपनी सीधे मेरे गाँव के किसानों को उच्च गुणवत्ता, कम लागत वाली खेती की तकनीकी जानकारी एवं कृषि विज्ञान से जुड़े सुझाव प्रदान करती है। मैंने काफी नज़दीक से अपने माता–पिता को ख़राब गुणवत्ता और महँगी खेती प्रणाली की वजह से कम पैदावार और कम दाम से जूझते देखा है। वो पारंपरिक तरीकों से खेती करते थे और नए दौर के प्रगतिशील खेती की तकनीकों से वंचित थे। मुझे ना सिर्फ अपने परिवार की बल्कि मेरे परिवार जैसे अन्य किसान परिवारों की आय को भी बढ़ाना था। इसलिए मैंने ऐग्रोस्टार से जुड़ने का निर्णय लिया।

एक ग्राहक सेवा प्रदाता के नाते किसानों को आधुनिक एवं नवीन वैज्ञानिक सुझाव देना मेरी ज़िम्मेदारी हैं। आज मैं अत्यंत गर्व के साथ कहती हूँ की मैं अपने पिता समेत देश के अनेक किसानों का मार्गदर्शन कर रही हूँ। मैंने खुद में नेतृत्व करने की क्षमता को बढ़ते देखा हैं और कृषि क्षेत्र में अपना एक उज्ज्वल भविष्य देखती हूँ। इसके अलावा मैंने अपने गाँव के नौजवानों को खेती करने के लिए प्रेरित भी किया है।

42,498
रोज़गार उत्पन्न

4,167
महिलाओं के लिए रोज़गार उत्पन्न

आविष्कार ग्रुप द्वारा समर्थित रोज़गार निर्माण करने वाली कम्पनियाँ –

जब खुले में शौच संकट पैदा करे...

“ अपने गाँव में घर में सबसे पहले शौचालय बनवाने वालों में से एक होने पर मुझे गर्व है। मेरी बेटी और मेरे पास अब निजता और सुरक्षा है। ”

...मैं गरिमा हूँ

मैं स्वच्छता और शौच आंदोलन हूँ

मैं हूँ शिम्पी देवी

मैं बिहार के एक छोटे से अविकसित गांव खगड़िया से आती हूँ। बुनियादी संसाधनों के कमज़ोर ढाँचे के बिच बड़े होने की वजह ने मुझे खुले में शौच करने पर मजबूर किया जिससे मैं मानसिक तौर पर काफी आघात हुई। इस समस्या की वजह से मुझे प्रतिदिन घंटों पैदल चलने के आलावा लम्बी प्रतीक्षा करनी पड़ती थी। मेरे गाँव के अनेक लोग खुले में शौच करने की वजह से गंभीर रूप से बीमार पड़ते रहते थे। मेरी बेटी को भी इसी समस्या का सामना करना पड़ा क्यों की शौचालय बनाने के लिए हमारे पास पर्याप्त धन राशि नहीं थी। जैसे ही वो 15 साल की हुई, मुझे उसकी सुरक्षा का भय सताने लगा खासकर इसलिए क्यों कि मेरे पति दूसरे राज्य में काम करते थे। घर पर शौचालय होना अब मेरे लिए एक बहुत ही बड़ी ज़रूरत बन चुका था।

कुछ वर्ष पूर्व मुझे आरोहण के एक ग्राहक सेवा प्रतिनिधि से उनके शौचालय ऋण सुविधा के बारे में पता चला। उसने बताया की यह ऋण सुविधा विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को घर पर शौचालय बनवाने में समर्थन देने के लिए थी। मैं अपने गाँव की प्रथम सूची में उन महिलाओं में थी जिन्होंने 15,000 रुपये (200 अमेरिकी डॉलर) का ऋण प्राप्त कर सफलतापूर्वक अपने घरों में शौचालय बनवाया।

इस शौचालय की वजह से मुझे अपनी निजता प्राप्त हुई और मैंने अपनी गरिमा को दोबारा अर्जित किया। चापाकल और मोटर के माध्यम से अब सीधे हमारे घर पर पानी आता है जिससे हमें शौचालय की देखभाल में आसानी होती हैं। अपने इस अनुभव से मैं इतनी प्रसन्न हूँ की मैंने दूसरों को आरोहण की इस सुविधा का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया है। अब तक मेरे गाँव के कुल 15 परिवारों ने इस सुविधा का लाभ प्राप्त किया है और हम साथ मिलकर एक स्वच्छता आंदोलन का निर्माण कर रहे हैं।

15,526,371
लोग जिन्हें शौच सुविधा हेतु समर्थन प्राप्त हुआ

6,920,000
लोग जिन्हें पेयजल सुविधा हेतु समर्थन प्राप्त हुआ

वाश (जल, शौच एवं स्वच्छता) क्षेत्र में आविष्कार ग्रुप द्वारा समर्थित कम्पनियाँ एवं उपक्रम

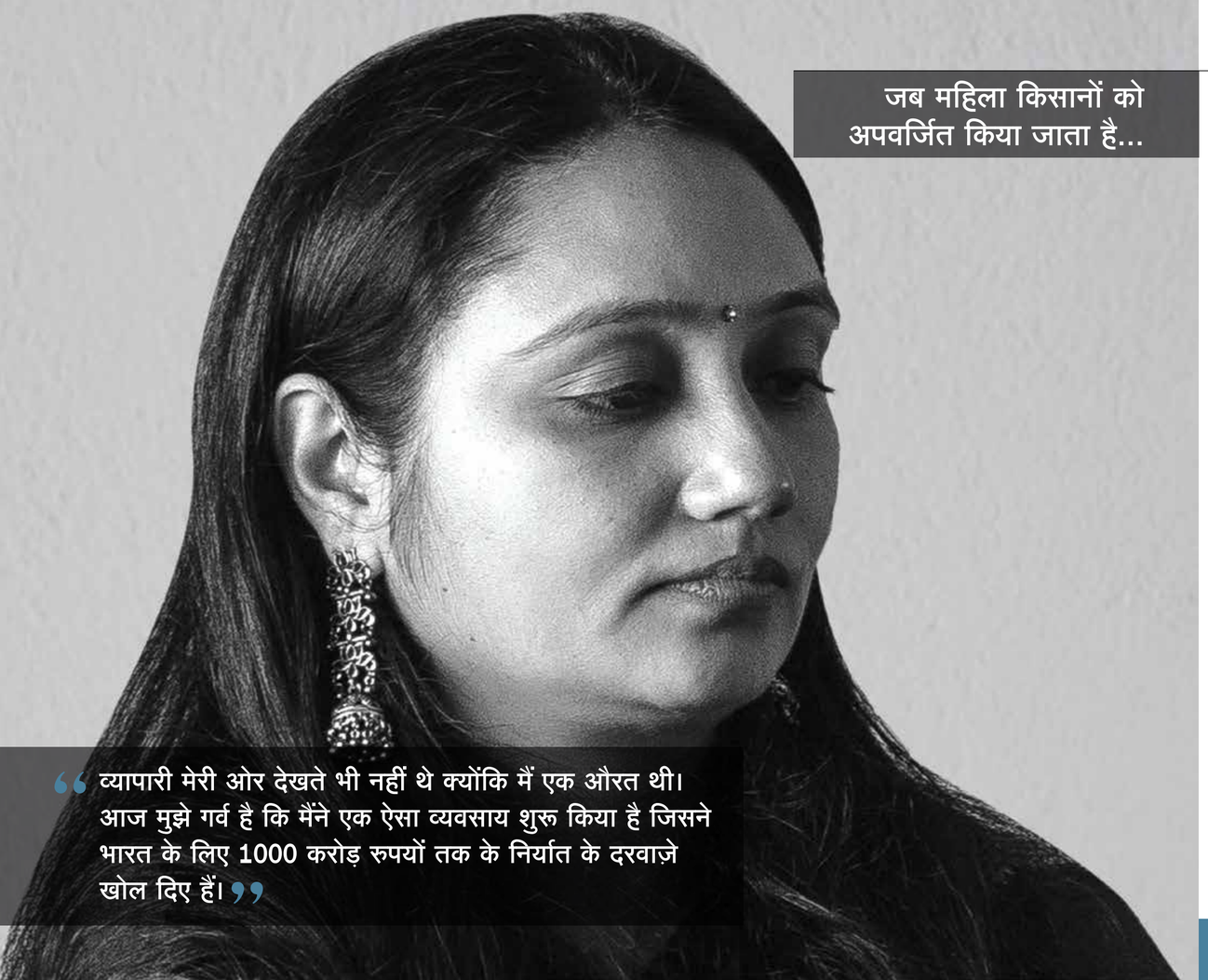

जब महिला किसानों को अपवर्जित किया जाता है...

“व्यापारी मेरी ओर देखते भी नहीं थे क्योंकि मैं एक औरत थी। आज मुझे गर्व है कि मैंने एक ऐसा व्यवसाय शुरू किया है जिसने भारत के लिए 1000 करोड़ रुपयों तक के निर्यात के दरवाज़े खोल दिए हैं।”

...मैं ग्रामीण महिलाओं को आवाज़ देती हूँ
मैं अवसर निर्माण करती हूँ

मैं हूँ पूर्णिमा

18 साल की उम्र से मैंने अपने उद्यमी जीवन का आरम्भ कलकत्ते में अपने पिताजी के व्यापार से जुड़कर किया। मैं भारतीय रेल सेवाओं के लिए बिक्री और विपणन का काम कर रही थी और इसी नौकरी से मुझे एक परंपरागत पुरुष प्रधान क्षेत्र में काम करने का और वहाँ योगदान करने का अनुभव हुआ। जैसे-जैसे मेरी तरक्की होती गयी और मैं कृषि क्षेत्र में काम करने लगी, मुझे मालूम पड़ा कि औद्यानिकी मूल्य श्रृंखला में बहुत ही ज़्यादा विखंडन है। इस विखंडन पर काम करने से और उसे सुलझाने से, मुझे ज्ञात हुआ, कि इस क्षेत्र का महत्वपूर्ण ख़िलाड़ी बना जा सकता है और प्रभावशाली सामाजिक कार्य किये जा सकते हैं। अपने पति पंकज के साथ मैंने 'आई.एन.आई फार्म्स' की स्थापना 2009 में की। हमने अनार, केले और अन्य फलों को उगाना शुरू किया।

पिछले कुछ वर्षों में, मैंने युक्ति से उन कई समस्याओं का समाधान ढूँढा है जो औद्यानिकी मूल्य श्रृंखला में थे। ये सब मैंने इस बावजूद किया कि मैं एक परंपरागत पुरुष प्रधान क्षेत्र में एक महिला सीईओ थी। मुझे गर्व है कि आई.एन.आई फार्म्स में हमने अपव्यय 2 प्रतिशत से भी काम तक कर लिया है जबकि साधारण तौर पर इस क्षेत्र में अपव्यय 20-45 प्रतिशत तक होता है। आज हम 5000 छोटे भूमि धारक किसानों के साथ, भारत के आठ राज्यों में काम करते हैं। हमने किसानों और वितरकों के रिश्ते को भरोसे के रिश्ते में तब्दील कर दिया है जिससे किसानों की आय भी 30 प्रतिशत तक बढ़ चुकी है। हमारे साथ काम कर रहे किसानों के साथ मेरा मात्र कागज़ी अनुबंध नहीं है, बल्कि एक ऐसा रिश्ता है जो आपसी विश्वास और व्यक्तिगत संबंधों पर टिका है। मैंने अपनी कार्य श्रृंखला को ऐसे तब्दील किया है जिससे ज़्यादा औरतें इस श्रृंखला के उच्च कौशलता वाले और परंपरागत पुरुष प्रधान भागों में काम कर सकें। यह औरतें हमारे फलों के पैकेजिंग कारखाने में, पर्यवेक्षक के रूप में, प्रबन्धकारी टीम और बोर्ड के सदस्यों की भूमिका में काम करतीं हैं।

जहां आज आई.एन.आई फार्म्स पहुँच गया है, वो मेरे ख़्वाबों से भी परे का मंज़र है। हम भारत के सबसे बड़े फल निर्यातकों में से एक हैं जो दुनिया के 35 ऐसे बाज़ारों में बिक्री करते हैं जहां के नियम कड़े से कड़े हैं। यह सब आविष्कार ग्रुप के निवेश और सक्रिय समर्थन के बिना नहीं हो पाता। आविष्कार ग्रुप और आई.एन.आई फार्म्स का दृष्टिकोण एक तरह से समान है - हम दोनों अपने-अपने उद्योगों के द्वारा प्रभाव का सृजन करना चाहते हैं, ख़ास कर जब बात महिलाओं के सशक्तिकरण की हो। जैसे मैं औद्यानिकी क्षेत्र को भारत में आगे बढ़ाने का प्रयास अपनी स्थानीय ब्रांड की स्थापना से करने जा रही हूँ, वैसे ही मेरी आशा है कि मैं अपने उद्योग की मूल क्षमताओं पर निरंतर काम कर सकूं और हमारी प्रणाली के हर भाग में पारदर्शिता ला सकूं।

533,379
लोगों के लिए रोज़गार निर्माण हुआ

284,781
महिलाओं के लिए रोज़गार निर्माण हुआ

आजीविका उत्पादन पर केंद्रित उद्यम जिनका समर्थन आविष्कार ग्रुप कर रहा है -

INI FARMS, QLAPA, MANDALA APPAREL, GoBOLT, DAH Bhuj, DAH Delhi, DAH Jaipur, JAYPORE, B2R, mela, fabelio, rangSutra, raftsbridge, zameen, CK Technologies, Nsyst

जब सामाजिक नियम और असमानता दबाव बनाते हैं...

...मैं महिलाओं की सुरक्षा करती हूँ
मैं निष्पक्षता सुनिश्चित करती हूँ

मैं हूँ सुषमा

जब मैंने अपना व्यवसाय शुरू किया, मैं रियल एस्टेट क्षेत्र की चुनिंदा महिलाओं में से एक थी। मुझे पुरुष-प्रधान जगहों पर अपनी आवाज़ अक्सर बुलंद करनी पड़ती थी। 4 साल अपना व्यवसाय करने के बाद भी जब मैंने आगे की पढ़ाई करने के लिए दाखिला लिया, तब भी मेरे पुरुष सहपाठी मज़ाक करते थे कि मुझे दाखिला केवल विविधता कोटे को पूरा करने के लिए दिया गया। मैं बस इस बात पर गर्व करके बैठ सकती थी कि मैं अपनी कक्षा की इकलौती छात्रा थी लेकिन यह मुझ प्रबुद्ध नेतृत्व का लक्षण नहीं लगा। इन अनुभवों ने मुझे खुद के और मुझ जैसी दूसरी महिलाओं के लिए अवसर निर्माण के प्रति मेहनत करने के लिए प्रेरित किया।

2007 में मैंने 'प्रभाव निवेश' और आविष्कार के बारे में सुना। मैंने बिज़नेस वर्ल्ड मैगज़ीन में 'दुसरे भारत में निवेश कर रहे पुरुष' शीर्षक वाला एक लेख पढ़ा और सोचने लगी कि इस क्षेत्र मे कोई भी महिला क्यों नहीं? कुछ महीनों बाद मैंने उस यात्रा कि शुरुआत की जो आज आविष्कार ग्रुप के साथ एक दशक से ज़्यादा पुरानी है और जारी है। मैंने निवेश प्रबंधक के रूप में काम शुरू किया और जल्द ही मेरी तर्क्की होने लगी। मैं आविष्कार कैपिटल की पहली महिला साझेदार बनी। औरत होने के बावजूद मेरी योग्यता की सराहना, अनुक्रम में मेरे पद की परवाह बिना मुझे सुना जाना और एकजुट हो कर दूसरी कौशल महिलाओं के साथ काम करने ने मुझे और भी सफल बनने के लिए प्रोत्साहित किया है।

साझेदार के तौर पर मैंने अपने पद का इस्तेमाल यह सुनिश्चित करने के लिए किया है कि आविष्कार कैपिटल लैंगिक विविधता में निवेश करें और महिलाओं को नेतृत्व भूमिकाओं में एकीकृत करने का कार्य जारी रखें। संभावित निवेश प्राप्तकर्ताओं के साथ ऐसे कई किस्से हुए हैं जहां मुझे महिलाओं को कार्यस्थल में शामिल करवाने के लिए उनसे लड़ना पड़ा। सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक बाधाओं को ध्यान में रखते हुए महिलाओं के लिए कार्यस्थल को समावेशी रखना एक ऐसा कार्य है जिसे मैं हर दिन करूंगी। '40 से कम 40 वैकल्पिक व्यवसायिओं' और 'वित्त क्षेत्र में सर्वोच्च 100 महिलाएं' की सूचियों में मेरा नाम है। यह सम्मान मुझे नौकरीशुदा और उद्यमी महिलाओं का समर्थन करने और उनकी सफलता में योगदान देने के लिए प्रेरित करते हैं।

20%
महिलाएं आविष्कार ग्रुप में प्रबंध सम्बंधित पद पर हैं

19%
महिलाएं बोर्ड सदस्य आविष्कार ग्रुप में हैं

> "हम महिलाओं में निवेश एक निष्पक्ष समाज का सृजन, और लाभदायक एवं उद्देश्यपूर्ण उद्योगों का समर्थन करने के लिए करते हैं।"

जब आर्थिक समृद्धि पुकारती हैं...

“उद्यमि स्वयं और दूसरों को आत्मसम्मान और आज़ादी की ज़िन्दगी जीने का मार्ग दर्शाते हैं।”

...मैं उद्यमियों को सक्षम बनाती हूँ

मैं नवाचार हूँ

मैं हूँ कर्णिका

सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में विस्तृत अंतर्राष्ट्रीय कार्यकाल के बाद 2017 में मैं इंटेलीकैप से जुड़ी। मैं इंटेलीकैप की तरफ इस वजह से आकर्षित हुई क्योंकि मैंने अपनी आँखों से सहायता पर आधारित व्यवसायों की निहित अस्थिरता देखी थी। मुझे पता चला कि इंटेलीकैप और आविष्कार ग्रुप एक प्रभाव परितंत्र बना रहे थे और विकास की राह में आई कठिनाइयों का समाधान प्रभाव पूँजी और उद्यमिता के माध्यम से कर रहे थे।

बतौर वरिष्ठ साझेदार और इंटेलीकैप के अफ्रीका टीम के पहले सदस्यों में से एक – मैंने लगभग 50 से ज़्यादा परियोजनाओं पर काम किया है जिसका परिणाम इंटेलीकैप का आत्मनिर्भर संस्था बनना था। यह योजना इंटेलीकैप के शुरुआती दिनों की अनुदान पर आधारित नीति से परे थी। मैं सक्रिय रूप से ऐसे अवसर और प्रणाली निर्माण की दिशा में काम करती हूँ जिससे हमारी महिला कार्यकर्ताएं इंटेलीकैप में तरक्की कर सकें। मैं भावनाओं और सहानुभूति को अच्छे गुणों की तरह देखती हूँ और अपने सहकर्मियों को इन्हें अपनी कमज़ोरी नहीं बल्कि ताकत की तरह देखने के लिए प्रेरित करती हूँ। मेरे नज़रिये से एक अच्छा कार्यस्थल वैसा होता है जहां सभी अपने काम की ज़िम्मेदारी खुद लें और ऐसा ही करने की मैं कोशिश करती हूँ।

मैं एक गर्वित अधिनायिका हूँ जो दूसरों को अपने समाज का नेतृत्व करने के लिए प्रोत्साहित करती हूँ। इंटेलीकैप,अफ्रीका में मेरा सबसे पहला कार्य वहाँ की विस्थापित मसाई कौम को केन्या के एक सुदूर इलाके में पुनर्वास कराने का था – वह भी तब जब मैं खुद 8 माह की गर्भवती थी। इस अनुभव ने मुझे सिखाया कि कैसे प्रबल प्रेरणा और दृढ निश्चय, उद्यमशीलता की भावना को चिन्हित करते हैं और कैसे बस थोड़ी सी मदद के साथ मसाई समुदाय के नेता अपने पूरे समुदाय को सुधारने में सक्षम हैं। उद्यमि अपने लिए, अपने कार्यकर्ताओं के लिए और अपने पूरे समाज के लिए आजीविका का उत्पादन कर रहे हैं। यह महत्वपूर्ण हैं खास तौर पर वैश्विक दक्षिण में जहाँ बेरोज़गारी एक बहुत ही बड़ी समस्या है। उद्यमी राष्ट्रीय स्तर पर नवाचार और बदलाव की लहर अपने साथ लाते हैं।

उद्यमियों और नवाचार को आगे बढ़ाने की कोशिश में मैं इंटेलीकैप से अविवेच्य हूँ।

3,156,483
लोगों को शिक्षा सेवाएं प्रदान की

1,576,414
महिलाओं को शिक्षा सुविधाएं प्रदान की

1,534
प्रारंभिक चरण के व्यवसायों के आरम्भकर्ता और समर्थक बने

प्रारंभिक चरण के व्यवसायों को समर्थन देते ग्रुप कंपनियां एवं उपक्रम –

शिक्षा सेवाएं प्रदान करते उद्योग जिनका समर्थन आविष्कार ग्रुप करता है –

जब अधिनायिकाओं की सख्त जरूरत हो...

...मैं रूढ़िबद्ध धारणाओं को तोड़ती हूँ

मैं निर्विवादित योग्यतातंत्र हूँ

मैं हूँ किरण

> “प्रभाव का मतलब उन समस्याओं का समाधान निकालना है जो हमारे समाज, हमारी प्रकृति और हमारे लोगों के लिए खतरा बन सकती हैं। प्रभाव उन सब सामाजिक और प्राकृतिक कठिनाइयों को निवेश के अवसर में तब्दील करना है।”

हमेशा से मुझे यह एहसास था कि मुझे अधिकारहीन समाजों के लिए पहुँच और समावेश का कार्य करना था। इसलिए मैंने अपने कार्यकाल के पहले 10 साल किफायती आवास क्षेत्र में गुज़ारे। गरीब और उत्पीड़ित लोगों की ज़िन्दगियों को सुधरने की कोशिशों के बारे में मैं सूचित रहती थी। जैसे-जैसे मैंने ज़्यादा जानकारी हासिल की, मुझे गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और माइक्रोफाइनेंस संस्थानों द्वारा छोटे स्तर के व्यवसायों के लिए लायी गयी वित्तीय क्रांति में रूचि रहने लगी। इसी दौरान मुझे इस क्षेत्र में काम करने का मौका मिला जिससे कुछ अर्थपूर्ण करने की मेरी मंशा पूरी होती दिखाई दी। अश्व फाइनेंस से जुड़कर मैं एक ही साथ भारत के एक प्रतिशत महिला मुख्य वित्तीय अधिकारीयों की गिनती में शामिल हो गयी और ऐतिहासिक तौर पर उत्पीड़ित लोगों के लिए बैंकर बन गयी।

अश्व फाइनेंस में जाते ही मेरा सबसे पहला कार्य व्यापार को सशक्त करना था। एक वरिष्ठ अधिकारी के तौर पर मैं प्रबंधकर्ताओं के साथ मिलकर अश्व फाइनेंस का ध्यान लघु और मध्यम वर्गीय उद्योगों की तरफ केंद्रित करना चाहती थी। इससे इन उद्योगों को भारत के विकास प्रक्रिया में शामिल होने और दूसरे और तीसरे श्रेणी के शहरों में रोज़गार पैदा करने का बेहतर से बेहतर अवसर प्रदान होता। हमने इस अभिप्राय को हासिल करने के लिए ऐसे प्रभावशाली उद्योगों में निवेश किया जो आय में असमानता को घटा रहे थे, पुन: प्रयोज्य ऊर्जा को बढ़ावा दे रहे थे, प्रकृति को बचा रहे थे और लोगों के रहन-सहन के लिए स्वछता प्रदान कर रहे थे। हमारा ध्यान विशेष रूप से महिलाओ द्वारा चलाए जा रहे उद्योगों पर केंद्रित था। मैं बड़े गर्व के साथ ये बताना चाहती हूँ कि हमारे साथ काम कर रहे 30 प्रतिशत लघु और मध्यम वर्गीय उद्योगों का नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं और यह आंकड़ा दिन पर दिन बता जा रहा है।

हर रोज़ अश्व फाइनेंस में काम करने से मुझे अत्यंत ख़ुशी मिलती है क्योंकि मैं अपनी आँखों से छोटे व्यवसायों को अपने समाज और उत्पीड़ित लोगों की आजीविकाओं पर प्रभाव डालते हुए देख सकती हूँ। 2019 में मैंने अश्व को एक और उपलब्धि प्राप्त करवाने में मदद की – हमारी रेटिंग में बढ़ोतरी हुई जिसके कारण हम अपनी निवेश पूँजी को और भी उद्योगों तक ले जाने में सफल हुए। मैं आगे भी नवाचार वाले वित्तीय मंच बनाने की प्रक्रिया में शामिल होकर अश्व फाइनेंस को उसके उद्देश्य तक पहुँचाना चाहती हूँ – अगले पांच वर्षों में गैर बैंकिंग वित्तीय उद्योग और लघु और मध्यम वर्गीय उद्योगों के शीर्ष पांच ऋणदाताओं में से एक बनना।

2.1 अरब अमेरिकी डॉलर
तक की पूंजी आविष्कार ग्रुप द्वारा वितरित

39 करोड़ 30 लाख अमेरिकी डॉलर
इक्विटी और ऋण पूंजी का उद्योगों के लिए प्रबंधन

जब उपेक्षित वर्ग को एक नायक की ज़रूरत होती है...

“ मेरा काम सिर्फ कमाई तक सीमित नहीं है। मेरे काम ने मुझे अपनत्व का अनुभव कराया है और दूसरों के जीवन को बेहतर बनाने का अवसर प्रदान किया है। ”

...मैं चुनौतियों का सामना करती हूँ
मैं मूलधन प्रदान करती हूँ

मैं हूँ चैताली

2006 में मुझे मेरा जीवन उद्देश्य मिल गया जब मैंने ‘आरोहण में महिलाओं के उन्नति के लिए काम कीजिये’ शीर्षक विज्ञापन कलकत्ता के आनंद बाज़ार पत्रिका में पढ़ा। उन चंद शब्दों ने मेरे औरत और एक अकेली माँ होने के दृष्टिकोण को संक्षिप्त में बयान कर दिया। मेरा परिवार शक्तिशाली, नौकरीशुदा औरतों से परिपूर्ण था जिन्होंने मुझे मेहनत और आत्मनिर्भरता का महत्व सिखाया है। इस वजह से आरोहण के पहले पांच शाखा प्रमुखों में से एक बनना और उन पाँचों में अकेली औरत होना मेरे लिए स्वाभाविक था। मेरी यह उप्लब्धियाँ तो बस शुरुआत थीं। मेरी शाखा आरोहण के प्रमुख उत्पाद ‘सरल’ का संवितरण करने वाली पहली शाखा बनी। तब से मैं कई महत्वपूर्ण उत्पादों के प्रक्षेपण का हिस्सा बनी हूँ जो गरीब महिलाओं की आजीविका के लिए बनाये गए हैं।

आरोहण में बिताए 14 सालों में मैंने कभी भी किसी ज़िम्मेदारी से औरत होने की वजह से अपना मुँह नहीं फेरा। इसके विपरीत मैंने खुद ज़िम्मा उठाकर एकजुट होकर काम करने की भावना अपने सहकर्मियों के साथ बांटनी चाही, सहकर्मियों को अपना परामर्श दिया और सुनिश्चित किया कि सबको अपने विचार प्रकट करने का अवसर मिले। मैंने सक्रिय होकर अपने सहकर्मियों और खुद के काम को बेहतर बनाने के लिए प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन करवाया है और बहुत बार खुद भी उनको प्रशिक्षित किया है। कठिनाइयों का रोज़ सामना करना और उनकी बारीकियों के आधार पर समाधान निकालना मेरे काम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। मुझे याद है जब मैं पहली बार एक बस्ती में गयी थी। वहाँ की औरतों को समझाना कि उनको सच में परभक्षी साहूकारों से मुक्ति और कम ब्याज और संपार्श्विक मुक्त ऋण मिल सकता है बहुत ही मुश्किल था।

वर्तमान में मैं पश्चिम बंगाल के वसूली शाखा में जिला समन्वयक हूँ। मुझे अपनी उपलब्धियों पर गर्व तो है ही लेकिन उससे ज़्यादा मुझे इस बात की ख़ुशी है कि मैंने अपनी बेटी के लिए भी एक अच्छा उदहारण स्थापित किया है। आज वह एक बैंक में काम करती है। इतनी तरक्की और प्रशंसा के बाद भी मैं चाहती हूँ कि आरोहण परिवार में मेरा योगदान जारी रह सके। वह इसलिए क्योंकि मेरा मानना है कि जो काम हम आरोहण में कर रहे हैं, उस काम से स्थानीय अर्थव्यवस्था में बढ़ोतरी और नवाचार, सामाजिक गतिशीलता और महिलाओं के लिए आज़ादी का आगाज़ हो रहा है।

100 करोड़ से ज़्यादा
उपेक्षित ग्राहक आविष्कार ग्रुप द्वारा सेवित

~55% महिलाएं
उपेक्षित महिला ग्राहक आविष्कार ग्रुप द्वारा सेवित

सत्यनिष्ठा के साथ प्रभाव

आंकड़ों में हमारा प्रभाव

$1.1 अरब से ज़्यादा
प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां

$26.8 करोड़
एमएसएमई वित्त संवितरित

$1.6 अरब
माइक्रोफाइनांस संवितरित

$17.3 करोड़
समता पूंजी संवितरित

$2.1 अरब
कुल पूंजी संवितरित

1,468 महिलाओं के नेतृत्व में एमएसएमई ऋण,
इक्विटी और क्षमता निर्माण सेवाओं द्वारा समर्थित

85 उद्यमों ने $39.3 करोड़ की मूल पूँजी का निवेशकों द्वारा प्रबंधन किया

1534 प्रारंभिक चरण की कंपनियां के आरम्भकर्ता और समर्थक बने

सुविधाओं से वंचित ग्राहक और प्रभाव उत्पादन

59 उद्योगों ने समता पूँजी का सीधा संवितरण किया

29% महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यम
80% पहली बार संस्थागत पूंजी के अपेक्षी

23 लाख
सीधे सेवित मिक्रोफिनांस ग्राहक

97% महिला एमएफआई ग्राहक

3,810 सीधे सेवित एमएसएमई ग्राहक

28% महिलाओं के नेतृत्व वाले एमएसएमई ग्राहक

वैश्विक दक्षिण के पटचिह्न

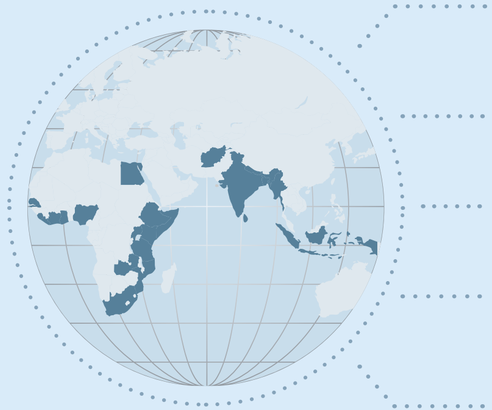

85 हज़ार नौकरियां का निवेश (42 हज़ार से ज़्यादा) और ग्राहकों (43 हज़ार से ज़्यादा) के माध्यम से उत्पादन

15 हज़ार नौकरियां का उत्पादन महिलाओं के लिए निवेश (4 हज़ार से ज़्यादा) और ग्राहकों (11 हज़ार से ज़्यादा) द्वारा

23 देशों में काम किया

6500+ समस्त ग्रुपों के कर्मचारी
20% महिलाएं प्रबंधकर्ता के पद पर

22 संकल्प सम्मेलन –
दुनिया का सबसे बड़ा प्रभाव उद्योगों पर केंद्रित मंच

1800
उद्योगों का प्रदर्शन संकल्प द्वारा किया गया और 600 से ज़्यादा निवेशकों से जोड़ा गया

90 शोध रिपोर्ट प्रकाशित

उद्योग निकाय

ग्रुप के पहल

क्षेत्र: परिणाम और प्रभाव

192
उद्योगों का वित्त क्षेत्र में समर्थन

1.02 **करोड़** लोगों का निवेश द्वारा वित्त सेवाओं से समर्थन
99% महिला ग्राहक

4.8 करोड़
लोगों को वित्त तक पहुँच में समर्थन दिया

505
उद्योगों का स्थायी कृषि क्षेत्र में समर्थन

62 लाख किसानों को निवेश और मध्यवर्तन द्वारा समर्थन दिया।
27% महिला किसान

20-30% में वृद्धि किसानों को आय।

288 पर्यावरण स्थिरता क्षेत्र के उद्यमों को समर्थन दिया

15 लाख मीट्रिक टन सीओ2 (CO_2) उत्सर्जन में ग्रुप और निवेश द्वारा कमी

10 लाख आय में बढ़ोतरी आविष्कार ग्रुप के साथ काम कर रहे किसानों के लिए

85 हज़ार मीट्रिक टन उपव्यय का प्रबंधन और पुनर्वृत्तिकरण निवेश और मध्यवर्तन से हुआ

30-40% बढ़ोतरी उन कूड़ा बीनने वालों की आय में जो आविष्कार ग्रुप के निवेशों के साथ काम करते हैं।

654
आवश्यक सेवा क्षेत्र के उद्योगों (वॉश, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा) का समर्थन किया

2.8 **करोड़** लोगों को आवश्यक सेवाएं निवेश द्वारा दिलाई

50% महिलाएं

2,164
उद्योगों का समर्थन एमएसएमई और आजीविका सृजन क्षेत्र में

5 लाख 85 हज़ार एमएसएमई का समर्थन और आजीविका उत्पादन, निवेश द्वारा किया

49% महिलाएं

हर $1 के निवेश पर
उद्योगों ने **$3.4** गुना से ज़्यादा कमाए

हमारे प्रभाव परितंत्र का निर्माण

आविष्कार वृक्ष

आविष्कार ग्रुप विविधतापूर्ण है और यह वृक्ष हमारे गुण जैसे बढ़ोतरी, सहनशीलता, शालीनता, समावेश और संधारणीयता का उत्तम रूपांतरण है। ग्रुप के उद्योग – आविष्कार कैपिटल, आरोहन, अश्व और इंटेलीकैप की अपनी विभिन्न विशेषताएँ हैं लेकिन वह एक से मूल्यों के साथ जुड़े हुए हैं। हालांकि वे अलग-अलग रूपों से हमारे कम-आय वाले ग्राहकों की सेवा करते हैं लेकिन एक साथ देखा जाए तो वे उभरते हुए 3 अरब लोगों के लिए एक परितंत्र का निर्माण कर रहे हैं। प्रभाव हमारे उद्योगों के कण-कण में बस्ता है। वृक्ष का हर पत्ता हमारे द्वारा उत्पादित प्रभाव का प्रतिनिधित्व करता है और संयुक्त राष्ट्र के स्थिरता विकास लक्ष्यों का रंग ओढ़ता है।

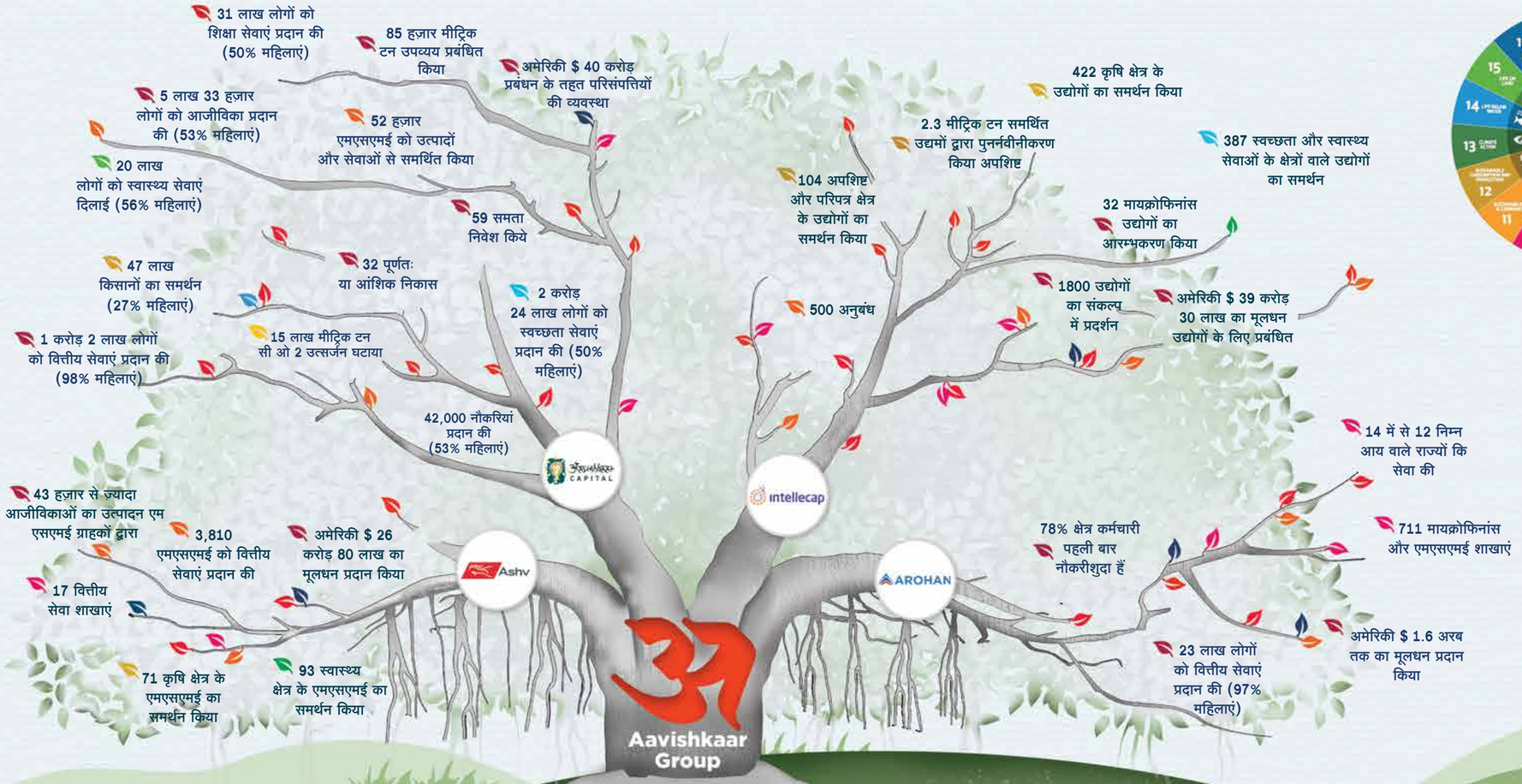

आविष्कार कैपिटल के क्षेत्र-विशिष्ट आंकड़े पोर्टफोलियो उद्योगों द्वारा निर्मित प्रभाव का प्रतिनिधित्व करते हैं।

अपने अंतःकरण के साथ वार्तालाप –

हमारे लिए मुखपत्र

दुनिया अब भी इतनी असमान क्यों है?
सबके पास एक समान अवसर क्यों नहीं हैं?

हम इन प्रश्नों का सामना करते हैं।
और इन प्रश्नों के आसान जवाब नहीं हैं।
आविष्कार में हम हल करने लायक समस्याओं के पीछे भागते हैं।

हम 3 अरब उभरते हुए इंसानों के लिए विकल्पों का सृजन करने को आतुर है,
विकल्प जो उन्हें एक बेहतर जीवन जीने का मौका दें।
विकल्प जो हम सब के भविष्य को सुनहरा बनाये, न सिर्फ कुछ लोगों के।

हम ऐसा उद्यमियों का समर्थन और उद्योगों को स्थापित कर करते हैं,
बदलाव लाने वालों का परितंत्र बना कर करते हैं,
वह लोग जो आज की कड़वी सच्चाई के सामने नहीं झुकते,
पर वे जोखिम उठाने वाले लोग जो एक बेहतर कल का सपना देखते हैं।

हम उनका समर्थन मूलधन से करते हैं – वित्तीय और प्रज्ञात्मक,
हम उनका समर्थन विश्वास के साथ करते है।

हम आविष्कार ग्रुप हैं।
हम उभरते हुए 3 अरब लोगों के अवसर अंतराल को मिटाने के लिए जीते हैं।

आविष्कार ग्रुप

भविष्य के लिए अपेक्षाएं

एक वनपालक होने के नाते मेरे लिए आस-पास की सभी चीज़ों को पारितंत्रिक दृष्टिकोण से देखना स्वाभाविक था। नयी सदी के आगमन पर जब हमने आविष्कार ग्रुप का संस्थापन किया, हम प्रभावशाली बन ज़िंदगियाँ बदलना चाहते थे। हमें तय करना था कि हम प्रभाव खुद डालेंगे या फिर प्रभाव परितंत्र बनाकर और उद्यमियों का प्रोत्साहन कर प्रभाव निर्माण करेंगे।

पिछले दो दशक विशेषकर शिक्षा-प्राप्ति में ही बीत गए हैं क्योंकि हमने प्रभाव परितंत्र को बनाने का कठिन मार्ग चुना। इन दो दशकों में लाये गए 10 करोड़ लोगों की ज़िन्दगियों में प्रभाव की यात्रा का प्रलेखन हम उन नायक-नायिकाओं को प्रणाम करने के लिए कर रहे हैं जो हमारे परितंत्र का हिस्सा हैं। हम कृतज्ञ हैं उन 22 लाख महिलाओं के जिन्होंने आरोहण से सूक्ष्म ऋण लेकर अपने परिवार और समाज का भला किया है। हम कृतज्ञ हैं उस लघु वर्गीय महिला उद्यमी के जिसने अश्व से नकदी प्रवाह आधारित ऋण लेकर अपने समाज में रोज़गार निर्माण किया है। हम कृतज्ञ हैं उन प्रभाव उद्योगियों के जो आविष्कार कैपिटल के साथ समान रूप के भागीदार बने और हमें उनके द्वारा निर्मित प्रभाव के बारे में उल्लेख करने का अवसर दिया। हम अपने सहयोगियों और साझेदारों के भी कृतज्ञ हैं जिन्होंने इंटेलीकैप द्वारा भारत, दक्षिण पूर्व एशिया और पूर्वी अफ़्रीका में प्रभाव परितंत्र का सृजन किया है। उन गैर-मुनाफ़ी संस्थाओं को हमारा नमन है जिन्होंने कोविड-19 की वजह से हुए लॉकडाउन में अपने घर तक पैदल जा रहे लाखों असहाय लोगों को खाना खिलाने में हमारी सहायता की है। यह सब आविष्कार ग्रुप के अद्भुत निवेशक, शेयरधारक और सीमित भागीदारों की वजह से मुमकिन हो पाया है जिन्होंने अद्वितीय उत्साह के साथ एक समावेशी और संधारणीय भविष्य निर्माण करने के हमारे इस प्रभावशाली प्रयास में हमारा साथ दिया है।

जैसे-जैसे आप इस प्रतिवेदन के पन्ने पलटेंगे और इनमें लिखी नायिकाओं की प्रेरणादायक कहानियों को पढ़ेंगे, हम निवेदन करते हैं कि आप इसे आविष्कार का आंकड़ों द्वारा प्रभाव के सन्दर्भ को समझाने का प्रयास समझिये। हमारा हमेशा ये मानना रहा है कि प्रभाव प्रासंगिक है और हालांकि आंकड़े ज़रूरी हैं, असली कहानियां मध्यवर्तन के सन्दर्भ में ही मिलती है।

इस दुनिया में जहां एक वैश्विक महामारी ने कई लोगों को अपने जीवन का पुनर्निर्माण करने के कोई साधन नहीं छोड़े, हम नम्रता के साथ कहना चाहते हैं कि प्रभाव निवेश, नवाचार और उद्यमिता के माध्यम से इस महामारी की वजह से प्रस्तुत हुई कठिनाइयों का सामना करने के लिए एक अवसर प्रदान करता है। प्रभाव निवेश क्षेत्र लगभग अमेरिकी $ 715 अरब का व्यवसाय बन चुका है क्योंकि दुनिया के पास अखण्डनीय प्रमाण है कि प्रभाव निवेश सफल हो सकता है। एक साथ, अपने निवेशकों, उद्यमियों, साझेदारों और हितधारकों के समर्थन द्वारा हम प्रतिज्ञा लेते हैं कि जैसे-जैसे हम अपने मंच और प्रभाव को उद्योग सम्बन्धी मानक की निर्धारित गति से तेज़ बढ़ा रहे हैं, वैसे-वैसे हम प्रभाव के अंतर्गत विश्वसनीयता बनाये रखेंगे।

जैसे हम नए दशक के लिए अपनी नीति बना रहे हैं, हमारी आशा है कि हम आविष्कार ग्रुप को 'प्रभाव यूनिकॉर्न' में तब्दील कर देंगे और साथ ही एशिया और अफ़्रीका में एक अरब ज़िन्दगियों पर प्रभाव डालेंगे।

– विनीत राय

> “आविष्कार ग्रुप के पिछले दो दशक प्रभाव परितंत्र पैदा करने के लिए दृढ़-निश्चय, नवाचार और नवीन शिक्षा से सुसज्जित रहे है। अगले दशक में हम आविष्कार ग्रुप को एक 'प्रभाव यूनिकॉर्न' में परिवर्तित करेंगे जिससे वैश्विक दक्षिण में 1 अरब लोगों के जीवन में बदलाव आ सके।”

आविष्कार ग्रुप –

नेतृत्व / संचालक

यह प्रतिवेदन हमारे निर्देशक मंडल, परामर्श परिषद, कार्यकारी परिषद, और आविष्कार ग्रुप के वरिष्ठ प्रमुखों के सहयोग के बिना संभव नहीं था।

ग्रुप के निर्देशक:

रेखा उन्नीथन (नुवीन), मेरीऐन्न तिजस्सेन (एफएमओ), स्वाति राय (आविष्कार ग्रुप), यू.के. सिन्हा (स्वतंत्र), अर्नोल्ड एकपे (स्वतंत्र), सैम पार्कर (शेल फाउंडेशन), फ्रैंक स्ट्रेप्पैल (ट्रिओडोस), विनीत राय (आविष्कार ग्रुप), अनुराग अग्रवाल (आविष्कार ग्रुप), और मनोज कुमार नांबियार (आविष्कार ग्रुप)

ग्रुप परामर्श परिषद:

अरुण माइरा (पूर्व सदस्य, योजना आयोग)

किरण कर्णिक (पूर्व अध्यक्ष, नैसकॉम)

ग्रुप कार्यकारी परिषद:

स्वाति राय (आविष्कार ग्रुप), अनुराग अग्रवाल (आविष्कार कैपिटल), मनोज कुमार नांबियार (आरोहण), निकेश कुमार सिन्हा (अश्व), विकास बाली (इंटेलीकैप), और विनीत राय (आविष्कार ग्रुप)

शब्द संग्रह

किफायती वित्तीय सेवाएं (क्षेत्र)/वित्त (क्षेत्र) तक पहुँच

उद्योग जिनके प्रभाव का मूल्य प्रस्ताव केंद्रित है कम ब्याज और/या संपार्श्विक-मुक्त ऋण प्रदान करने या माइक्रोफिनांस और किफायती बीमा, ऋण आदि सेवाएं प्रदान करने में।

ग्राहक

उद्यमी या व्यक्ति जिनको आविष्कार ग्रुप द्वारा ऋण या इक्विटी मूलधन, उद्योग-विकास या परामर्श में समर्थन के लिए प्रदान किये गए हैं।

मूलधन प्रबंधित

सामाजिक उद्योगों को आविष्कार ग्रुप के निवेशकों द्वारा प्रदान किये गए मूलधन की मात्रा।

संवितरित मूलधन

आविष्कार ग्रुप द्वारा सीधे-सीधे ऋण या इक्विटी कैपिटल के रूप में मुहैया कराए मूलधन की मात्रा।

कार्बन डाइऑकसाइड उत्सर्जन घटाया

कार्बन डाइऑकसाइड उत्सर्जन की मात्रा सौर या दूसरे नवीकरणीय ऊर्जाओं के इस्तेमाल द्वारा आविष्कार ग्रुप के निवेशों, मध्यवर्तनों, अप्रत्यक्ष ग्राहकों और/या ग्रुप के उद्योगों और उनके प्रत्यक्ष ग्राहकों द्वारा मीट्रिक टन में घटाया।

सहभागिता

आविष्कार ग्रुप के इंटेलीकैप द्वारा आयोजित परामर्श परियोजनाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं।

प्राकृतिक स्थिरता (क्षेत्र)

उद्योग जिनके प्रभाव के मूल्य-प्रस्ताव पर्यावरण हितैषी उत्पाद या सेवाएं उत्पादित करने पर केंद्रित है।

अत्यावश्यक सेवाएं (क्षेत्र)

उद्योग जिनके प्रभाव के मूल्य-प्रस्ताव कम और मध्य आय वाली आबादी को किफायती, उच्च स्तरीय शिक्षा सेवाएं, स्वास्थ्य सेवाएं, जल, स्वच्छता, साफ़ ऊर्जा सेवाएं आदि प्रदान करने और मूल्य सेवाओं की उनकी पहुँच को सुधरने पर केंद्रित है।

उद्योग

प्रभाव-संचालित सामाजिक उद्योग जिन्हे आविष्कार ग्रुप और उद्योगों ने इक्विटी कैपिटल या विकास समर्थन प्रदान किया है।

रोज़गार और आजीविकाओं का निर्माण

आविष्कार ग्रुप के निवेश, पोर्टफोलियो, सहभागिताओं, कंपनियों, ग्राहकों द्वारा प्रमुख रूप से संगठित क्षेत्र में अनुबन्धी और स्थायी नौकरियों का उत्पादन। यह उन नौकरियों को शामिल नहीं करता जो ग्रुप के कंपनियों ने स्वयं उत्पादित किये हैं। वह आंकड़े आविष्कार ग्रुप के कर्मचारियों की गिनती में शामिल किये गए हैं।

कम-आय वाले राज्य

विश्व बैंक और ऑक्सफ़ोर्ड गरीबी मानव विकास सूचकांक द्वारा विस्तृत यह भारतीय राज्य कम आय वाले माने जायेंगे: बिहार, झारखण्ड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, राजस्थान और छत्तीसगढ़।

आजीविका समर्थन (क्षेत्र)

उद्यम जिनका प्रभाव मूल्य प्रस्ताव लोगों के लिए स्थायी और निष्पक्ष आजीविकाओं के उत्पादन पर केंद्रित है, जैसे - ग्रामीण कारीगर, ट्रक-चालक, या कचड़ा बीनने वाले और अन्य ऐसे लोग, प्रमुख रूप से असंगठित क्षेत्र में। जिस प्रभाव के सृजन से लोगों के लिए आय का निर्माण होता है, उसे 'प्रत्यक्ष आजीविका बनाए' के वर्ग में वर्गीकृत किया जाता है।

सूक्ष्म, लघु और मध्य वर्गीय उद्यम (एमएसएमई)

उद्यम जिनका प्रभाव मूल्य प्रस्ताव केंद्रित है एमएसएमई के समावेश में, प्रमुखतः सूक्ष्म और लघु उद्यमियों का आपूर्ति श्रृंखला में, उदाहरण स्वरूप बतौर वितरण साथी के, या एमएसएमई को सेवाएं प्रदान करते हुए (जैसे वित्त सेवाएं), जिससे उनके आय निर्माण कार्य में सहायता हो। आय निर्माण या आजीविका निर्माण हेतु एमएसएमई को दिए गए वित्त से उत्पादित प्रभाव को 'प्रत्यक्ष आजीविका बनाए' के वर्ग में वर्गीकृत किया जाता है।

एमएसएमई (सूक्ष्म,लघु और मध्यम वर्गीय उद्योग)

सूक्ष्म - सयंत्र और साधन या उपकरण में निवेश - 1.3 लाख से ज़्यादा नहीं और वार्षिक कारोबार 6 लाख से ज़्यादा नहीं।

लघु - सयंत्र और साधन या उपकरण में निवेश - 1.3 लाख से ज़्यादा नहीं और वार्षिक कारोबार 66 लाख से ज़्यादा नहीं।

मध्यम - सयंत्र और साधन या उपकरण में निवेश - 66 लाख से ज़्यादा नहीं और वार्षिक कारोबार 2.3 करोड़ से ज़्यादा नहीं।

लोगों को सेवाएं/उत्पादन/आजीविका प्रदान की

वंचित और अपवर्जित ग्राहकों का प्रतिनिधित्व करता है जिन्हे उत्पाद या सेवाएं आविष्कार ग्रुप के निवेश या पोर्टफोलियो उद्योगों द्वारा संगठित क्षेत्र में प्रदान किया जाता है। यह उन सब उत्पादों और सेवाओं को गिनती में नहीं लेता जो ग्रुप उद्योगों द्वारा सीधे सीधे दिए जाते हैं।

स्थायी कृषि (क्षेत्र)

उद्योग जिनका प्रभाव मूल्य-प्रस्ताव केंद्रित है किसानों को स्थायी वस्तुओं (जैसे बीज, उर्वरक और सिंचाई), कम दाम, उच्च गुणवत्ता कृषि सलाह, उचित और न्यायसंगत मूल्य निर्धारण या बाज़ारी पहुंच, और/या उचित-मजदूरी और निरंतर आपूर्ति श्रृंखला के माध्यम से समावेश किसानों की आय निर्माण में सहायता हेतु सृजित प्रभाव को 'प्रत्यक्ष आजीविका बनाए' के वर्ग में वर्गीकृत किया जाता है।

अपवर्जित ग्राहक उन अपवर्जित, अधिकारहीन और वंचित, ज़्यादातर आर्थिक रूप से कम

ज़ोर भागों के या गरीब ग्राहकों का प्रतिनिधित्व करता है जिन्हे आविष्कार ग्रुप के एक या अधिक निवेशों और/या पोर्टफोलियो उद्योगों द्वारा सेवा या उत्पाद प्रदान हुआ है। यह ग्रुप की कंपनियों द्वारा सीधे-सीधे दिए गए उत्पादनों या सेवाओं को शामिल नहीं करता।

अपव्यय प्रबंधित

मीट्रिक टन में मापा गया आविष्कार ग्रुप के निवेशों या मध्यवर्तनों द्वारा प्रबंधित या पुनर्नवीनीकरण किया गया ठोस अपशिष्ट।

एंडनोट

1. राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (एनएसएस) डेटा (1998, 5वांदौर)
2. गुजरात ग्रासरूट इनोवेशन ऑग्मेंटेशन नेटवर्क (GIN) की स्थापना 1997 में, गुजरात सरकार, सोसाइटी फॉर रिसर्च एंड इनिशिएटिव्स फॉर सस्टेनेबल टेक्नोलॉजीज (SRISTI) और भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद (IIM-A) के सहयोग के साथ भारत की पहली तकनीकी उद्यमी इनक्यूबेटर के रूप में हुई। ज़मीनी स्तर पर किये जा रहे नवीन खोज और नवाचार पर GIN का ध्यान केंद्रित था
3. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार

अभिस्वीकृति

हम आभारी हैं इस प्रतिवेदन पत्र में प्रकाशित उन सभी महिला नेताओं के जिन्होंने अपनी कहानियां हमारे साथ बाटीं हैं।

हम इन सभी टीमों को धन्यवाद देना चाहते हैं, इस प्रतिवेदन पत्र में अपना सहयोग देने के लिए: आविष्कार कैपिटल (अमोल गनु, दिशा गाँधी, दिव्या गुप्ता, जाह्नवी पापरीवाल, नेहा सराफ, प्रदीप पथीयांवीतील, शाश्वत राय और सुबित सौरव), आरोहण (कमलेश कुमार, रीमा मुखर्जी, और श्रीरूपा पॉल), अश्व फाइनेंस की टीम (राहुल जैस्वाल), इंटेलीकैप टीम (चारु ठुकराल और विनीत मेनोन), और आविष्कार ग्रुप (शिल्पा माहेश्वरी)।

हम विशेष रूप से आविष्कार ग्रुप के सलाहकार श्री अमित भाटिया जी को उनके मार्गदर्शन, सलाह और अंतर्दृष्टि के लिए धन्यवाद देना चाहते हैं।

आविष्कार कैपिटल की प्रभाव और ई.एस.जी टीम:

लेखक: साचि शाह, सौम्या सूर्यनारायणन

वरिष्ठ सलाहकार:

अमित भाटिया (सलाहकार), अनुराग अग्रवाल (आविष्कार ग्रुप), अत्रेया रायप्रोलु (अश्व), मनोज कुमार नाम्बियार (आरोहण), निकेश कुमार सिन्हा (अश्व), विकास बाली (इंटेलीकैप), विनीत राय (आविष्कार ग्रुप)

विपणन और संचार टीम:

कनिष्का दासगुप्ता, सुधांशु दिक्षित

© 2021 आविष्कार ग्रुप प्रतिवेदन में दिए गए आंकड़े मार्च 2020 तक के हैं। इस आख्या में इस्तेमाल किया गया मुद्रा रूपांतरण दर है USD 1 = INR 751 आरोहण के लिए प्रस्तुत किये गए आंकड़े सिर्फ पिछले तीन सालों के संचित हैं। क्षेत्र – परिणाम और प्रभाव, आविष्कार ग्रुप के निवेश और सहभागिताओं द्वारा सृजित अप्रत्यक्ष प्रभाव का प्रतिनिधित्व करता है।

नक़्शे: इस प्रतिवेदन में दर्शाये गए नक्शों की सीमाएं, रंग और अन्य जानकारियां आविष्कार ग्रुप की किसी भी निहित मंशा को नहीं दर्शाता, ख़ास कर उस इलाके से जुड़े कानूनी दर्जे या ऐसे किसी भी सीमा का स्वीकरण व समर्थन। आविष्कार ग्रुप द्वारा इस प्रतिवेदन पत्र में छपी सारी जानकारी को सत्यापित करने के लिए सभी उचित एहतियात बरते गए हैं। परन्तु यह प्रकाशन वितरित किया जा रहा है बिना किसी तरह के व्यक्त या निहित आश्वासन के साथ इस जानकारी के विवेचन और इस्तेमाल की ज़िम्मेदारी पाठकों पर है।

अनुकूलन और उपयोग: अगर आप इस प्रतिवेदन पत्र का अनुकूलन करते हैं तो कृपया यह अस्वीकरण भी उसके गुणारोपण के साथ जोड़िएगा: यह आविष्कार ग्रुप की मूल कृति का अनुकूलन है। इस अनुकूलन में अभिव्यक्त विचार और धारणाएं केवल इसके लेखक या लेखकों की ज़िम्मेदारी है और यह आविष्कार ग्रुप द्वारा समर्थित नहीं है।

तृतीय-पक्ष प्रकरण: यदि आप किसी भी सत्ता के प्रतीक चिन्ह या चित्र का इस्तेमाल, उसकी रचना शैली, काम के एक भाग या प्रतिवेदन पत्र के अनुभाग का पुनः इस्तेमाल करना चाहते हैं, तो उसके कॉपीराइट के मालिक से अनुमति लेने की ज़िम्मेदारी आपकी है। अनुभाग के उदाहरण स्वरुप, लेकिन उन तक सीमित नहीं हैं प्रतीक चिन्ह, चित्र, रचना, डिज़ाइन, टेबल या आंकड़े। अधिकार और लाइसेंस के बारे में सभी प्रशन्न सिर्फ आविष्कार ग्रुप के एकमात्र स्वामित्व के अंतर्गत है।

सारे प्रशन्न आविष्कार ग्रुप के संचार टीम से पूछे जाने चाहिए; ईमेल: infoaavishkaargroup.com

आरोहन
पीटीआइ बिल्डिंग, चौथी मंज़िल,
डीपि – 9, सेक्टर 5, साल्ट लेक,
कोलकाता – 700 091, भारत

अश्व
12बी, तीसरी मंज़िल, टेक्नीप्लेक्स II
वीर सावरकर फ्लाईओवर के नीचे,
पश्चिम गोरेगाव, मुंबई, महाराष्ट्र – 400 062, भारत

आविष्कार कैपिटल
13बी, छठी मंज़िल, टेक्नीप्लेक्स – II आईटी पार्क
वीर सावरकर फ्लाईओवर के नीचे,
पश्चिम गोरेगाव, मुंबई, महाराष्ट्र – 400 062, भारत

इंटलीकैप
13ए, छठी मंज़िल, टेक्नीप्लेक्स – II आईटी पार्क,
वीर सावरकर फ्लाईओवर के नीचे
पश्चिम गोरेगाव, मुंबई, महाराष्ट्र – 400 062, भारत

Aavishkaar Group

AROHAN Ashv Aavishkaar CAPITAL intellecap